International Journal of Scientific Research in Science and Technology
Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X (www.ijsrst.com)
doi : https://doi.org/10.32628/IJSRST

अनुसूचित जाति के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर विद्यालय के पर्यावरण अध्ययन की आदतों का प्रभाव

[1]**Hema,** Research Scholar, Kalinga University, Naya Raipur, Chhattisgarh, India
[2]**Dr. Ram Prakash Saini,** Professor, Kalinga University, Naya Raipur, Chhattisgarh, India
[3]**Dr.Harsha Patil,** Associate Professor, Kalinga University, Raipur, Chhattisgarh, India

Article Info
Volume 8, Issue 4
Page Number : 479-482

Publication Issue
July-August-2021

Article History
Accepted : 20 July 2021
Published : 30 July 2021

ABSTRACT

मनुष्य हमेशा एक सामाजिक वातावरण में डूबा रहता है जो न केवल व्यक्ति की संरचना को बदलता है या उसे तथ्यों को पहचानने के लिए मजबूर करता है बल्कि उसे संकेतों की एक रेडीमेड प्रणाली भी प्रदान करता है। यह उस पर दायित्वों की एक श्रृंखला लगाता है। दो वातावरण घर और स्कूल बच्चे के जीवन में एक प्रभावशाली स्थान साझा करते हैं और दोनों के बीच एक अद्वितीय जुड़ाव मौजूद है टकर एंड बर्नस्टीन1979 ,। सागर और कपलान 1972 के अनुसार ,परिवार अपने स्वभाव से ही सामाजिक-जैविक इकाई है जो व्यक्ति के व्यवहार के विकास और निरंतरता पर सबसे अधिक प्रभाव डालती है। परिवार के बाद ,स्कूल बाल विकास की प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण अनुभव है।

जब बच्चा स्कूल क्षेत्र में प्रवेश करता है ,तो उसे समाजीकरण और संज्ञानात्मक विकास के संदर्भ में नए अवसरों के साथ प्रस्तुत किया जाता है। ये अवसर अलग-अलग स्कूलों में अलग-अलग उपायों में प्रदान किए जाते हैं और छात्रों के संज्ञानात्मक और भावात्मक व्यवहार पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रभाव की प्रकृति को समझा जा सकता है यदि हम अपनी शोध ऊर्जा को पर्यावरण चर का पता लगाने के लिए समर्पित करते हैं जो प्रत्येक बच्चे की क्षमताओं के इष्टतम विकास को बढ़ावा देने में सबसे प्रभावी हैं।

अध्ययन का उद्देश्य

- अनुसूचित जाति माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की विद्यालयी वातावरण के आयामों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन करना।
- निम्न और उच्च शैक्षणिक उपलब्धि वाले अनुसूचित जाति माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के विभिन्न विद्यालय परिवेश आयामों के माध्य में महत्वपूर्ण अंतर का अध्ययन करना।

परिकल्पना

उपरोक्त उद्देश्यों को अनुभवजन्य रूप से मान्य करने के लिए निम्नलिखित परिकल्पनाएँ तैयार की गई हैं:

- अनुसूचित जाति माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- अनुसूचित जाति माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की विद्यालयी परिवेश के आयामों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।

शैक्षणिक उपलब्धि के साथ विद्यालयी परिवेश के आयामों का सहसम्बन्ध

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

आयाम	सहसंबंध का गुणांक'r'	स्तर
रचनात्मक उत्तेजना	0.04	NS
संज्ञानात्मक प्रोत्साहन	-0.08	NS
स्वीकार	0.03	NS
अस्वीकार	-0.10	0.5
नियंत्रण	-0.07	NS
सहनशीलता	-0.02	NS

जनसँख्या

रायपुर के सरकारी और पब्लिक स्कूलों से दसवीं कक्षा के सभी स्कूली बच्चों ने वर्तमान जांच के लिए अध्ययन की आबादी का गठन किया।

न्यायदर्श

इस अध्ययन को संचालित करने के लिए ,अन्वेषक ने रायपुर के सरकारी और पब्लिक स्कूलों से दसवीं कक्षा के कुल 100 स्कूली बच्चों के प्रतिनिधि नमूने का चयन किया। प्रतिदर्श का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि समान संख्या में पुरुष और महिला छात्रों का चयन किया जाएगा।

आकड़ा संग्रह के लिए उपयोग किया जाने वाला उपकरण

चयनित विषयों से डेटा एकत्र करने के उद्देश्य से निम्नलिखित उपकरण नियोजित किए गए थे:

१. डॉ एम मुखोपाध्याय और डॉ डीएन संसनवाल द्वारा अध्ययन आदत सूची।

२. डॉ .के.एस .द्वारा विकसित गृह पर्यावरण सूची HEI मिश्रा

३. डॉ .के.एस .द्वारा विकसित स्कूल पर्यावरण सूची एसईआई मिश्रा.

४. अनुसूचित जाति माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के १० वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के अंकों को शैक्षणिक उपलब्धि के रूप में लिया गया।

आकड़ा संग्रह की प्रक्रिया

आंकड़े एकत्रित करने के उद्देश्य से प्रधानाध्यापकों और प्राचार्यों की अनुमति मांगी गई थी। उपकरणों के प्रशासन से पहले ,अध्ययन का उद्देश्य उन्हें पहले से ही मौखिक रूप से समझाया गया था ताकि वे छात्रों और शिक्षकों को स्पष्ट और निष्पक्ष दिमाग से आने के लिए निर्देशित कर सकें। शोधकर्ता ने संबंधित अधिकारियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित लिखित में अनुमति ली।

शैक्षणिक उपलब्धि और घर के वातावरण के विभिन्न आयाम के बीच सहसंबंध के गुणांक

S. No.	गृह पर्यावरण के आयाम	सहसंबंध का गुणांक	स्तर
1	नियंत्रण	-0.14	0.01
2	सुरक्षा	-0.14	0.01
3	सज़ा	-0.03	NS
4	अनुपालन	0.01	NS
5	सामाजिक एकांत	-0.23	0.01
6	इनाम	0.08	NS
7	विशेषाधिकारों का अभाव	-0.18	0.1
8	पोषण	-0.05	NS
9	अस्वीकार	-0.22	0.1
10	सहनशीलता	-0.10	0.05

शैक्षणिक उपलब्धि और घर के वातावरण

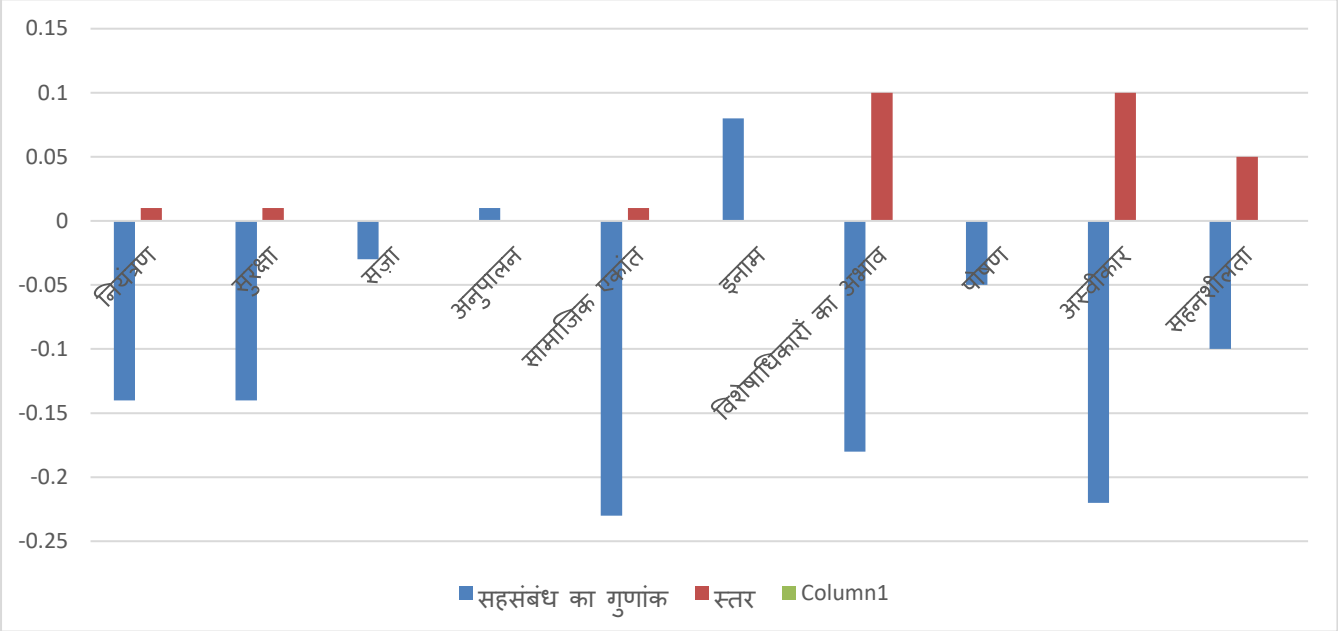

निष्कर्ष चर्चा

स्कूल पर्यावरण आयामों के संबंध में संबंध

रचनात्मक उत्तेजना और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का गुणांक 0.04 था जो नगण्य था और महत्वपूर्ण नहीं था। इसका अर्थ है कि शैक्षणिक उपलब्धि रचनात्मक उत्तेजना से प्रभावित नहीं थी। इसके विपरीत परिणाम अरोड़ा, रीता 1988 के थे जिन्होंने पाया कि छात्र और शिक्षक छात्र संबंधों की शैक्षिक उपलब्धि महत्वपूर्ण रूप से संबंधित पाई गई थी।

संज्ञानात्मक प्रोत्साहन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का गुणांक 0.08- था जो नकारात्मक, नगण्य और महत्वपूर्ण नहीं था। इसके अलावा यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि संज्ञानात्मक प्रोत्साहन केवल एक कारक नहीं था जो शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

स्वीकृति और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का गुणांक 0.03 था जो नगण्य था और महत्वपूर्ण नहीं था।

इसका अर्थ है कि शैक्षिक उपलब्धि पर स्वीकृति का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं था।

अस्वीकृति और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का गुणांक 0.10- था जो 0.05 के महत्व के स्तर पर नकारात्मक और महत्वपूर्ण था। अस्वीकृति बच्चे के व्यवहार पर इस कदर प्रतिबंध लगाती है कि वह विचलित नहीं हो सकता और स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकता है। यह अच्छे प्रदर्शन के लिए कुछ नया और प्रभावी करने की उसकी क्षमता में बाधा डालता है।

शैक्षणिक उपलब्धि के साथ नियंत्रण और अनुमोदकता के बीच सहसंबंध का गुणांक 0.07-और 0.02- था जो नकारात्मक और नगण्य था, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि संबंध ने शैक्षणिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाई।

यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विद्यालय के वातावरण का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। लेकिन अस्वीकृति आयाम अकादमिक उपलब्धि के साथ महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध दर्शाता है। अस्वीकृति जितनी अधिक होगी, शैक्षणिक उपलब्धि उतनी ही कम होगी।

संक्षेप में यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विद्यालय के वातावरण का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। निस्संदेह, यह प्रकट होता है कि शैक्षिक उपलब्धि में विद्यालय का वातावरण महत्वपूर्ण कारक है लेकिन इस अध्ययन ने सकारात्मक परिणाम नहीं दिखाए। लेकिन पाधी 1991ने वही निष्कर्ष पाया कि कक्षा के वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध महत्वपूर्ण नहीं था।

निम्न और उच्च प्राप्तकर्ताओं की अध्ययन आदतों के संबंध में अंतर का महत्व टी-मान 1.35 है जो सार्थक नहीं पाया गया। इसका अर्थ यह हुआ कि निम्न एवं उच्च शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों में अध्ययन की आदतों के माध्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष

निष्कर्षों और चर्चा को पढ़ने के बाद, निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले जाते हैं। इन निष्कर्षों को अन्वेषक द्वारा उपयोग किए गए नमूने और उपकरणों के अनुसार देखा जा सकता है।

स्कूली वातावरण के आयामों के मामले में, निम्न और उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वालों के रचनात्मक उत्तेजना आयाम के माध्य में महत्वपूर्ण अंतर था। शेष आयामों के मामले में निम्न और उच्च उपलब्धि प्राप्तकर्ताओं के संज्ञानात्मक प्रोत्साहन, स्वीकृति, अस्वीकृति, नियंत्रण और अनुमेयता आयामों के माध्य में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचि

अरुणा, पी.के. (२००४)। विज्ञान और कक्षा के माहौल में प्रक्रिया के परिणाम। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक, १६,१, १४-१६।

बिंदू, के.ई. (1997)। माध्यमिक विद्यालयों के सामाजिक विज्ञान में ओवर अचीवर्स और अंडर अचीवर्स की रचनात्मकता का एक अध्ययन। अप्रकाशित एम.एड निबंध। श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी।

कॉक्स, डीसी (1983)। चयनित हाई स्कूल विज्ञान प्रक्रिया कौशल दक्षताओं के लिए कक्षा विज्ञान के प्रकार, ग्रेड स्तर, विज्ञान निर्देश के बिना वर्ष और प्रदर्शन स्तर पर प्रभावी विज्ञान पाठ्यक्रम का प्रभाव। निबंध सार इंटरनेशनल, २६२१ ए, ४३।

रामर, और ए. कुसुमा। धीमे शिक्षार्थी उनका मनोविज्ञान और निर्देश। डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

रेड्डी, जी.एल., और रामर, आर. (1997)। अंग्रेजी धीमी शिक्षार्थियों के शिक्षण में मल्टी-मीडिया आधारित मॉड्यूलर दृष्टिकोण की प्रभावशीलता। में। जीएल रेड्डी, आर रामर, और ए कुसुमा। धीमे शिक्षार्थी उनका मनोविज्ञान और निर्देश। डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

Cite this Article

Hema, Dr. Ram Prakash Saini, Dr.Harsha Patil, "Effect of School Environmental Study Habits on the Academic Achievements of SC Students", International Journal of Scientific Research in Science and Technology (IJSRST), Online ISSN : 2395-602X, Print ISSN : 2395-6011, Volume 8 Issue 4, pp. 479-482, July-August 2021.
Journal URL : https://ijsrst.com/IJSRST218470